पाठ - 9

ऊँट चला

अब जल्दी-जल्दी बोलकर देखो ? जीभ लड़खड़ा गई न।

जी हाँ।

कैसी लगी कविता ?

बहुत अच्छी।

अब इस कविता को अपने मन से नाम दो

कौन चला ?

ऊँट रेगिस्तान में ज्यादा मिलते हैं। नीचे दो चित्र बने हैं। सही जगह पर ऊँट का चित्र बनाओ।

बालू या रेत कहाँ-कहाँ पर मिलती है ?

समुन्द्र के किनारे, नदी के किनारे रेगिस्तान में।

ऊँट कितना ऊँचा ? हाथी जितना।

हाथी कितना मोटा ?

ऊँट जितना।

चींटी कितनी छोटी ?

चावल के दाने जितनी।

(क) ऊँट से ऊँची चीजों के नाम पर गोला लगाओ।

बिजली का खंभा, तुम्हारी कक्षा की छत, आम का पेड़

(ख) ऊँट के नीचे से क्या-क्या निकल सकता है?

गाय, कुत्ता, मुर्गी, हिरण, शेर, चीता

(ग) किन-किन चीजों की मदद से ऊँट पर चढ़ोगे ?

सीढ़ी, कुर्सी, मेज।

बताओ, ये सब क्या उठाकर चलेंगे-

हाथी	लकड़ी का गट्ठा, सूँड
टीचर जी	किताबें, पर्स, चॉक
पिता जी	थैला, अटैची, मोबाइल
शेर	सिर, पूँछ, शिकार
दादा जी	चश्मा, अखबार, मोबाइल

अलग अलग घर

नीचे कुछ शब्द लिखे हैं। इन्हें बोलकर देखो। अब मिलते जुलते शब्दों को सही खानों में लिखो।

कॅट	बालू	फँस	चला	जब
सूट	आलू	धँस	गला	तब
जूट	चालू	हँस	भला	कब
लूट	ढालू	खस	टला	सब

कविता में ब से शुरू होने वाले शब्द कौन-कौन से हैं? उनके नीचे रेखा खींचो।

बालू, बोझ, बैठेगा, बता

तुम्हारा नाम किस अक्षर से शुरू होता है? उस अक्षर से चार शब्द और लिखो।

मेरा नाम शिनचेन है "श"

शालू, शमीम, शाकाल, शोभा

बोझा

बहुत से जानवरों को बोझा ढोने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, क्या तुम्हें यह ठीक लगता है? क्यों?

जी हाँ, यह ठीक है।

नहीं तो हमें हर काम केलिये इंधन जलाना पड़ेगा।

तुम्हारे आस पास कौन-कौन बोझ उठाते हैं?

गधे, बैल, हाथी आदि, रेलवे स्टेशन पर मज़दूर और कुली।

कविता बढ़ाओ

अक्को बक्को
करे तरक्की
कभी न रुकती
उनकी चक्की

लड्डू खाये
पेडे खाये
साथ मिल जुल कर
मौज मनाये।

जब मम्मी
डाँट लगाये।
बैठ जाये
मुँह फुलाये।

अक्की बक्की
करे तरक्की
कभी न रुकती
उनकी चक्की

इस कविता मे कुल कितनी बार ऊँट शब्द आया है?
तेरह बार (13)

नीचे चित्र में कितने ऊँट छिपे है? ध्यान से देखकर बताओ।
साठ बार (60)

कठिन शब्द

ऊँट - रेगिस्तान मे पाया जाने वाला जानवर।
बालू - रेत।
बोझ - वजन, भार।
करवट - दाये या बाये बाजू लेटना।
थकना - ताकत कम होना।
भाई - भाई, भ्राता।
गर्दन - सिर और धड़ को जोडने वाला अंग।
ढोने - उठाकर लेना।

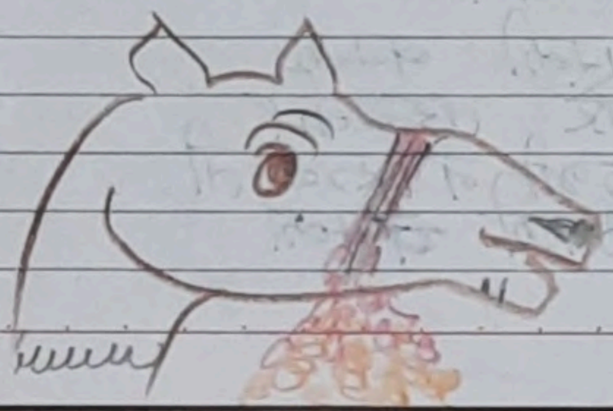

पाठ - 2
भालू ने खेली फुटबॉल

कहानी से

1 शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकडी?
भालू ने शेर के बच्चे को नींद में ही उछाल दिया था. घबराकर बच्चे ने पेड की डाल पकड ली थी।

शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा?
भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया घबराया शेर का बच्चा दहाड़ा।

भालू साहब किस बात पर पछताए?
वह इस बात पर पछताए, कि उन्होंने शेर के बच्चे को फुटबॉल समझ कर उछाल दिया था।

भालू ने क्यों कहा - ओह! किस आफ़त मे आ फँसा।
शेर के बच्चे को बार-बार उछलने में मज़ा आ रहा था और भालू को उसे बार-बार उछालना पड़ रहा था।

Camlin Page 7

पहले क्या हुआ, फिर क्या क्या हुआ

1) भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया (2)

2) शेर के बच्चे ने पेड की डाल पकड़ ली (3)

3) भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई। (5)

4) भालू सहाब सैर को निकले। (1)

5) भालू ने शेर के बच्चे को लपककर पकड़ लिया (4)

क्या होता अगर

भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता?
यदि ऐसा होता तो शेर का बच्चा गिरता और उसे चोट लगती।

शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता?
यदि ऐसा न होता तो भालू उससे पेड की डाल तोड़ने का हर्जाना लेता।

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता-पिता को अपनी जंगल की कहानी सुनाई। उसने क्या क्या सुनाया होगा। बताओ।

Camlin Page 8

मैं पेड़ के नीचे सो रहा था तो भालू दादा ने उछाल दिया। पहले तो मैं घबड़ा पर फिर मुझे मज़ा आया। वह बार बार उछाल रहे थे, पर जल्दी ही थक कर चले गये। मैंने डाल को पकड़ कर अपनी जान बचाई, पर वह टूट गई। तभी भालू वहाँ आया और हर्जाना माँगने लगा। मैं चतुराई से भाग आया।

खेल खेल में।

(क) फुटबॉल को फुटबॉल क्यों कहते है?
इसलिये क्योंकि इसे पैरों से खेला जाता है।

(ख) ऐसे खेलों का नाम बताओ जिसमें बाल, गेंद का इस्तेमाल करते है?
सतोलिया, वालीबाल, टेबल टेनिस, हॉकी, क्रिकेट, बास्केट बॉल आदि।

तुम्हारी समझ से

तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिये और क्या-क्या कर सकता था?

1. वह पेड़ की ओट में छिप सकता था।
2. स्वयं को पत्तो से ढक सकता था।

Camlin Page
Date 9

उलट-पुलट

शेर का बच्चा फिर से उछलने को लिये कह रहा था।
शेर का बच्चा फिर से गिरने को कह रहा था।

पेड़ की एक डाल पकड़ ली।
पेड़ की एक डाल छोड़ दी।

ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिये फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिये क्या क्या करते हो?

दौड़ लगाते हो ✗
गर्म कपड़े पहनते हो ✓
रजाई ओढ़ते हो ✓
आग तापते हो ✗
ठण्डा पानी पीते हो ✗
गर्म पानी में नहाते हो ✓
गर्म-गर्म चाय पीते हो। ✓

Camlin Page
Date 10

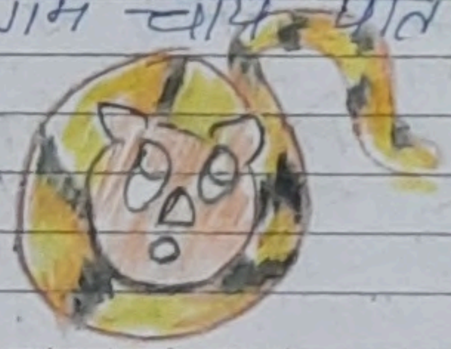

पाठ-3
म्याऊँ म्याऊँ

सुहानी की बात

तुम्हे अपनी दोस्त सुहानी याद है न? उसका एक दोस्त भी था। इस नटखट दोस्त का नाम लिखो।
वह था गोलू - एक नटखट चूहा।

इस कविता मे बिल्ली की आवाज किसने निकाली थी? उसका भी नाम सोचो।
इस कविता मे बिल्ली की आवाज़ एक लड़की ने निकाली थी। उसका नाम पिंकी हो सकता है।

अगर सुहानी इस लड़की की दोस्त होती तो क्या करती?
तो वह चुहिया को डरा कर भगा देती या फिर झपट कर पकड़ लेती।

डरना मत

कविता मे लड़की ने म्याऊँ की आवाज़ निकाली थी। म्याऊँ की आवाज़ सुनकर चुहिया पर क्या असर हुआ होगा?

चुहिया डर कर सहम गई होगी।

तुम्हे सबसे ज्यादा डर किससे लगता है? तब तुम क्या करते हो
मुझे सबसे ज्यादा डर चूहे से लगता है।
मै तब किसी ऊँची चीज पर चढ़ जाता हूँ।

अब बताओ तुम्हें अगर उसे डराना हो तो कैसे डराओगे? क्या करोगे?
मै कुत्ते की आवाज निकालूँगा भौं-भौं सुन कर वह डर जायेगा

बन गया वाक्य

नीचे लिखे शब्दो का वाक्यों मे इस्तेमाल करो -

सूझा - माँ को फटे दूध से पनीर बनाने का विचार सूझा।

धीरे से - गीता ने धीरे से कलम चुराई।

सचमुच - वह सचमुच का धनी नहीं है केवल दिखता है।

बहाना - डाँस से बचने के लिये सीमा पेट दर्द का बहाना करने लगी।

नोक

किन किन चीज़ो की नोक होती है? लिखो और उसका चित्र भी बनाओ।

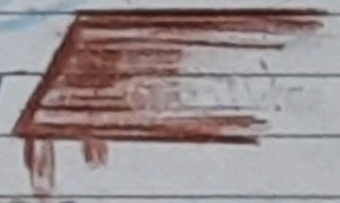

1. पेन्सिल
2. सुई
3. मेज़ का कोना
4. चाकू
5. तीर
6. फोर्क
7. सिलाई

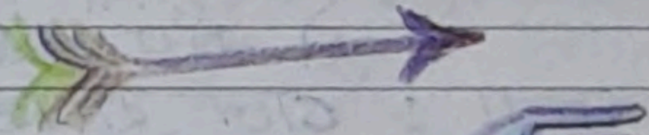

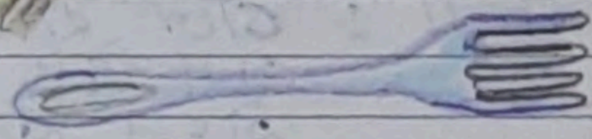

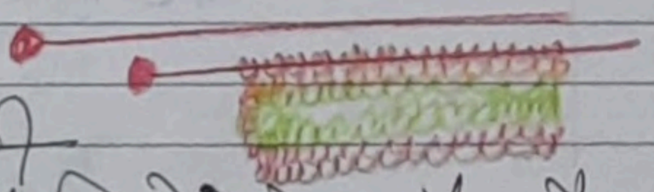

चुटकी

अँगूठे और उँगलियों से और कौन-2 से काम किये जा सकते हैं?
चुटकी बजाना, चावल चुनना सुई मे धागा डालना, लिखना कैरम खेलना आदि।

शब्दो का उलट फेर

नीचे लिखी बातों को दो तरीकों से लिखो।

खड़ी गाय थी चौराहे पर
गाय चौराहे पर खड़ी थी।
चौराहे पर गाय खड़ी थी।

घुस गया शेर जंगल मे
शेर जंगल मे घुस गया।
जंगल मे शेर घुस गया।

कुछ शब्द

काँपना : थरथराना। गीता ठण्ड से काँप रही है।

बघना : टाल मटोल करना
दाम देने के समय मोहन बहाना बनाने लगा

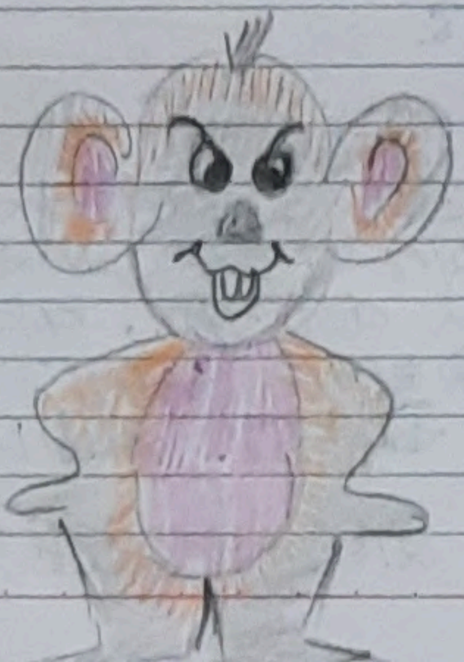

पाठ - ४

अधिक बलवान कौन?

हवा की बात

हवा को ऐसा क्यों लगा होगा कि वह सूरज से अधिक बलवान है?
हवा प्रचंड वेग से पेड़ों को उखाड़ सकती है इसलिये उसे लगा होगा कि वह अधिक बलवान है।

हवा आदमी का कोट कैसे उतरवा सकती थी? कोई तरकीब सोचो।
यदि हवा गर्म हो जाये तो वह आदमी को गर्मी का एहसास करा सकती है और आदमी कोट खोल देगा।

गर्मी

आदमी ने गर्मी लगने पर कोट उतार दिया। तुम गर्मी लगने पर क्या-क्या करते हो?
1) ठण्डा पानी पीते है और पंखे के नीचे बैठते हैं।
2) सूती कपड़े पहनते है।

किसमें कितनी ताकत

बताओ, इनमें से कौन अधिक बलवान

है? तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?

सूरज या हवा?
मुझे लगता है कि सूरज अधिक बलवान है क्योंकि वह किसी भी चीज को पिघला या जला सकता है।

हाथी या शेर:
मुझे लगता है कि शेर अधिक बलवान है क्योंकि वह अपने नुकीले दांतो से हाथी का मांस उखाड कर मार सकता है।

गर्मी या सर्दी अधिक बलवान है
मुझे लगता है कि सर्दी क्योंकि आदमी अकड कर मर जायेगा। गर्मी मे आदमी तालाब मे बैठ कर बच सकता है।

ताकत की बात

(क) हवा ने अपनी ताकत दिखाने के लिये क्या किया?
हवा ने तेज वेग से बहना प्रारंभ कर दिया आदमी की टोपी गिर गई और वह गिर गया।

(ख) सूरज ने अपनी ताकत दिखाने के लिये क्या किया?
अपना ताप बढाना शुरू कर दिया इस वजह से आदमी ने अपना कोट उतार दिया।

(ग) यह सब अपनी ताकत दिखाने के लिये क्या करेंगे।
1) पानी: अपना बहाव बढा देंगे।
2) बादल: बिजली गिरा देंगे।
3) पहाड: अपने वजन से दबा देंगे।
4) सर्दी: शून्य से नीचे पारा लेजायेगी और सब कुछ जम जायेगा।

तो क्या होता
मान लो कि हवा ने कहा - जो मिट्टी मे गड़े इस तंबू को उखाड दे, वह ज्यादा ताकतवर होगा। ऐसा होता तो कहानी मे आगे क्या होता? सोचो और बताओ।
यदि ऐसा होता तो हवा जीत जाती।

Page 26

Camlin Page 17

नीचे लिखे शब्द मे तुम भी इसी तरह आठ शब्द ढूँढो।
कमल, ककड़ी, कम, कड़ी
मक, लड़ी, लकड़ी आदि।

एक के बदले दूसरा
नीचे लिखे शब्दों की जगह तुम और कौन से शब्द चुन सकते हो।
अधिक : ज्यादा   शरीर : देह
फ़ायदा : नफ़ा   झगड़ा : लड़ाई
नमस्कार : प्रणाम   सर्दी : ठण्ड

वाक्य बनाओ
बहस : तर्क : रीता की बहस की वजह से उसे कक्षा से निकाल दिया।

नज़र : निगाह : बिल्ली ने घर की रसोई मे नज़र दौड़ाई और दूध ढूँढ लिया।

बलवान : ताकतवर : अमरीका बलवान देश है।

तपन : जलन : धूप की तपन से पानी गर्म हो गया।

पाठ - 5

Camlin Page 18

दोस्त की मदद

कहानी से
लोमड़ी ने कछुए को बचाने का क्या उपाय सोचा?
उसने तेंदुए को कहा कि वह कछुए को पानी मे फैंक दे ताकि उसका खोल नरम हो जाये और वह फिर आराम से खा सकेगा।

तेंदुए ने क्या मूर्खता की?
तेंदुए ने यह मूर्खता की कि वह लोमड़ी की बातों मे आ गया और उसने कछुए को पानी मे फैंक दिया।

तेंदुए की इस मूर्खता से कछुए को क्या फ़ायदा हुआ?
उसकी जान बच गई।

गपशप :
जब तेंदुआ आया तब कछुआ और लोमड़ी गपशप कर रहे थे। सोचो वह क्या बाते कर रहे होंगे? यह तुम अपने दोस्त के साथ मिलकर सोचो।

Page 19

लोमडी - "पानी के नीचे क्या होता है"।
कछुआ - " नीचे मोटी मछलियाँ होती है।
लोमडी - 'क्या सच में'।
कछुआ - हाँ, यदि तुम लम्बी साँस रोक सको तो मैं तुम्हे ले जा सकता हूँ।

कछुआ चाल

जो तेज भागता हो।
वह चीता की तरह भागता है।

जो बहुत अच्छा तैराक हो।
वह मछली की तरह तैरता है।

तुम्हारी समझ से

जब तेंदुए ने कछुए को पकडा तब वह क्या सोच रहा होगा।
वह सोच रहा होगा काश कि वह भी तेज़ दौड सकता तो शायद वह इस वक्त तेंदुए के जबडे में नहीं होता।

उसने उस समय किसे याद किया होगा?
उसने जंगल देवता को याद किया होगा।

Page 20

खोल जैसा सख्त?

बताओ कछुए के खोल जैसी सख्त चीज़े और क्या हो सकती है?
ओखली, सीपी, नारियल, अखरोट सींग आदि।

लोमडी ने तेंदुए को कछुए का खोल तोडने का आसान तरीका बताया था क्या तुम नारियल को तोडने का तरीका सुझा सकते हो।

1) हम नारियल को यदि ऊँचाई से फेंके तो वह टूट सकता है।
2) यदि हम नारियल को घीसे तो उसकी जटाएँ घिस जायेगी और वह खुल जायेगा।

एक से अनेक

एक कपडा	तीन कपडे
एक रुपया	पंद्रह रुपये
एक खंभा	चार खंभे
एक पौधा	आठ पौधे
एक पतीला	दो पतीले
एक संतरा	दस संतरे।

किसकी चाल

बताओ, ऐसे कौन-कौन चलता है?

Camlin Page 21

फुदक-फुदक कर : चिड़िया , मैना
चौकड़ी भर कर : घोड़ा , हिरण
छलाँग लगाकर : शेर , चीता
रेंग-रेंग कर : साँप , केंचुआ

मुलायम नरम

नीचे लिखी चीज़ों में से कौन-कौन सी चीज़े पानी में फेकने से मुलायम हो जाएँगी? सही जगह पर लिखो।

मुलायम हो जाएँगी	मुलायम नहीं होगी
कागज़	लकड़ी
रोटी	गिलास
बिस्कुट	प्लेट
पत्ता	मोम
रुई	
पापड़	

एक और कहानी
कछुए की दोस्ती
..... शेर खान आजकल नदी किनारे ही शिकार कर रहा है। कछुए ने शेर से जाकर कहा - "कि राजा जी आज कल मगरमच्छ खुद को राजा मान रहा है और किसी को पानी नहीं पीने देता। शेर को गुस्सा आया और वह नदी पर गया। मगरमच्छ और शेर की लड़ाई हुई और मगर मर गया

Camlin Page 22

पाठ - 6

बहुत हुआ

बरसात

'बारिश' कहने पर तुम्हारे मन में कौन-कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।
कीचड़, बाढ़, उफनती नदियाँ, छाता, रेन कोट, कागज की नाँव मेंढक, केंचुआ, जोंक, तालाब।

जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन-कौन से खेल खेलती हो?
तब हम घर में ही खेलते हैं। लूडो, साँप सीडी और कैरम।

खूब तेज़ बारिश होगी तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देगा?
हमरे घर के पास नालियाँ भर जाएगी और कचरा सडक पर बिखरा पड़ा होगा।

बारिश में कितना पानी बरसता है? वह सब पानी कहाँ कहाँ जाता होगा?
बारिश में कई घन लीटर पानी बरसता है। नालियों से होता नदी में जाता है।

ये सब बारिश से बचने के लिये क्या करेंगे? बताओ।

लोग : घरो के अन्दर
कबूतर : पत्तों के नीचे
केंचुआ : जमीन के अन्दर या पत्थर के नीचे।
कुत्ता : बरामदे में, घर में।
मछली : मछली पर असर नहीं होगा।
मोर : पेड़ की ओट में, गुफा मे।

बहुत हुआ

बडे लोग ऐसा कब कहते हैं।

बहुत हुआ अब चुप बैठो।
जब हम उदम मचाते हैं।

बहुत हुआ अब अंदर चलो।
जब रात हो जाती है।

बहुत हुआ, अब सो जाओ।
जब हम देर रात टी.वी. देखते हैं।

बहुत हुआ, अब टी.वी बंद करो!
जब हम पढाई छोडकर टी.वी. के आगे चिपके रहते हैं।

कविता से

कविता मे ऐसा क्यो कहा गया होगा।

तेज बारिश होने पर सडके नदी बन जाती है।
क्योकि जल बराव हो जाता है।

सब ओर कीचड होने पर नानी याद आती है।

अब नहीं बरसूँगा

फिर क्या हुआ होगा? कहानी को आगे बढाओ।

बारिश की बूंदों की कमी पशु-पक्षी और मनुष्य के लिये घातक सिद्ध हुई होगी।
सारी हरियाली छू-मंतर हो गई होगी।
सारी धरती उदास हो गई होगी।

एक चित्र कई काम

कविता के साथ जो चित्र दिया गया है उसमे कौन क्या कर रहा है।

1) एक बच्चा चित्र बना रहा है।
2) दूसरा बच्चा लट्टू खेल रहा है।
3) बिल्ली खिड़की से झाँक रही है।
4) आदमी हँस रहा है।
5) कुत्ता भौंक रहा है।
6) एक बच्ची नाव चला रही है।

काम वाले शब्द

भौंकना, नाव चलाना, चित्र बनाना, खेलना, हँसना, झाँकना।

काले मेघा पानी दे

गुड़धानी - एक प्रकार की मिठाई
खलिहान - खेती को भूने।
मेघा - बादल
ताल-तलैया - बरसाती तालाब
ज़िंदगानी - जीवन

सावन का गीत

सावन - बारिश की ऋतु (मौसम)।
संसार - दुनिया।
आसमान - आकाश।
पारावार - सिरा, छोर।
पेंग - हिंडोला, उतार-चढ़ाव।
द्वार - दरवाज़ा।
एकदम - तुरन्त।
अंतरिक्ष - आकाश।

पाठ - 8

मेरी किताब

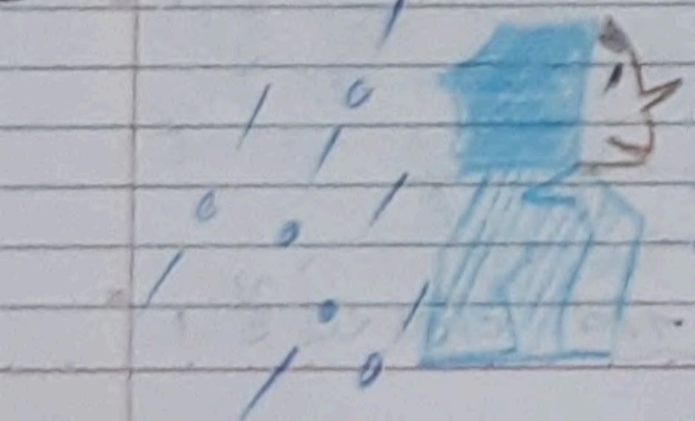

बातें किताबों की

बाप रे! इतनी किताबें।
क्या तुमने भी बहुत सारी किताबें एक साथ देखी हैं? कहाँ?
जी हाँ, पुस्तकालय में देखी हैं।

तुम्हारे बस्ते में भी बहुत सारी किताबें होंगी। उन सभी किताबों में से तुम्हारी मनपसंद किताब कौन-सी है? क्यों?
मेरी मनपसंद किताब रिमझिम भाग-2 है, क्योंकि इसमें रोचक कहानियाँ और सुन्दर कविताएँ हैं।

यहाँ कुछ किताबों के पन्नों के चित्र छपे हैं और उनके नाम लिखे हैं।
तुम इनमें से कौन-सी किताब पढ़ना चाहोगे? क्यों?
मैं बंटू मेरा दोस्त नामक किताब पढ़ना चाहूँगा। क्योंकि किताब के शीर्षक से लगता है कि यह दो मित्रों की कहानी होगी पढ़ने में मज़ा आयेगा।

Camlin Page 27

नाप-तौल

(क) मौसी ने वीरू को फुट्टा लाने के लिये क्यों कहा?
ताकि वह किताबों के आकार प्रकार को मापकर किताब पसंद करे।

(ख) अलग-अलग चीज़ों को नापने या तौलने के लिये अलग-अलग चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं। तुम नीचे दी गई चीज़ों को किन चीज़ों से मापोगे?

1) कपड़े को - इंच टेप से
2) आम को - बाट से
3) मेज़ को - इंचू टेप से
4) कागज़ को - फुट्टे से
5) पानी को - लीटर से

आओ खेलें अंत्याक्षरी

किताब → बंदर → रस्सी → साड़ी

डमरू → रेत → तरबूज़ → जहाज़

ज़ीनत → ताला → लड़का → कबूतर

रथ → थन → नलका → कौआ...

Camlin Page 28

पसंद-नापसंद

वीरू को मौसी ने किताबें चुनने के लिये कहा तो वह नहीं चुन पाई।

तुम्हें अपनी पसंद की चीज़ें चुनने को कहा जाये तो तुम कौन-कौन सी चीज़े चुनोगे?
गेंद, कहानी की पुस्तक, चिमटा, कलम, हवाईजहाज़।

पाठ - ८

तितली और कली

Camlin Page 29

कविता से

तितली कली के पास क्यों गई थी?
वह उससे यह कहने गई थी, कि तुम बहुत भली अच्छी हो और मेरे साथ खेलो

तितली और कली ने क्या खेल खेला?
तितली और कली ने पकड़न पकड़ाई का खेल खेला

तितली के क्या कहने पर कली खुश हुई
तितली के खेलने की बात कहने पर कली खुश हो गई।

अंदाजा लगाओ

तितली कली के पास कब गई होगी?
तितली कली के पास सुबह का समय

तुमने समय का अंदाजा कैसे लगाया?
क्योंकि उस समय कली सो रही थी और तितली उसे जगाने गई थी।

दो-दो बार

अब नीचे लिखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ -

Camlin Page 30

घड़ी-घड़ी : बार बार
तुम घड़ी-घड़ी पानी क्यों पी रहे हो।

जगह-जगह : हर जगह
तुमने (सारी) जगह-जगह सामान फैला दिया

घर-घर : हर घर
घर घर जाकर मिठाई बाँटो।

डाल-डाल : हर डाल
कोयल डाल-डाल पर फुदक रही है।

मिलते-जुलते शब्द

कविता में से वे शब्द ढूंढो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं। जैसे -कली, भली गली, खिली, चली - तुकाँत शब्द

नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

बोलो	तितली	डाल
खोलो	सुतली	गाल
तोलो	पतली	लाल
डोलो	खिलती	बाल

महके सारी गली-गली
अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे

Camlin Page 31

खुशबू
बुरी लगने वाली महक को कहेंगे
बदबू

ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है	पसंद नहीं है
अगरबत्ती	घी
साबुन	संतरा
पाउडर	पेट्रोल
केला	धुआँ
गुलाब	चमेली
इत्र	मछली

तुम्हारे आसपास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?
गुलाब, मोती, मोगरा, चमेली

तुम्हारे घर में किस-किस तरह की महक आती है।
हींग की, साबुन की, दवाई की, फिनाइल की, डियोल की, धूप की

तुम्हारी बात

Camlin Page 32

	जागेंगे	नहीं जागेंगे
1)	क्रिकेट खेलने के	पढ़ाई करने के लिये
2)	खाने के लिये	नहाने के लिये
3)	घूमने के लिये	दूध दोहने के लिये
4)	शादी में जाने के लिये	सब्जी लाने के लिये।

रंग-बिरंगी

कविता से पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है। नीचे लिखी चीजें किन-किन रंगों की हो सकती है?

1) गुलाबी, काली, पीली - तितली
2) बैंगनी - बैंगन
3) लाल काली (नटराज) - पेंसिल
4) काला, नीला, सफ़ेद - कुर्ता
5) पीला - सूरजमुखी
6) पीला - लड्डू
7) सफ़ेद - प्याला
8) हरा - साग
9) पीली, भूरी - मिट्टी

शब्दार्थ

संग - साथ में
महक - खुशबू
छिटककर - दूर हटकर
रंगीली - रंगबिरंगी।

Page 33

पाठ - ६

बुलबुल

शब्दार्थ

सिरा : अंतिम भाग
कलगी : सिर पर आने वाले पंख
सिपाही : रक्षक
काफी : बहुत
घोंसला : पक्षियों का घर
धब्बे : गोल दाग
ध्यान : सोच, विचार
बिंदियाँ : छोटा गोल आकार

इनमे से बुलबुल कौन है?

बुलबुल

तुमने बुलबुल को कैसे पहचाना?
उसके पूँछ के नीचे वाली जगह लाल है।

सिपाही बुलबुल

सिपाही बुलबुल के सिर पर काले

Page 34

रंग की कलगी होती है। कुछ ऐसे कुछ और पक्षियों के नाम सोचो जिनके सिर पर कलगी होती है। बताओ। उनकी कलगी का रंग क्या होता है?

पक्षी	कलगी का रंग
मुर्गा	लाल कलगी
मोर	नीला
हुदहुद	संतरी और काला

कलगी वाली बुलबुल को सिपाही बुलबुल क्यों कहते होंगे?
क्योंकि उसकी कलगी किसी सिपाही की टोपी सी लगती है।

पाठ में बुलबुल के बारे में बहुत सी बातें बताई गई हैं। उनमें से कोई तीन बातें लिखो।

1. बुलबुल के नीचे की जगह लाल होती है।
2. बुलबुल के पूँछ के सिरे का रंग सफेद होता है।
3. बुलबुल तेज आवाज में बोलती है।
4. बुलबुल दो या तीन अण्डे देती है।

बुलबुल और तुम

बुलबुल अपना घर घास और जड़ो

से बनाती है। तुम्हारा घर किन चीज़ो से बना है? पता करो।
हमारा घर सीमेंट, लोहा, रेत, लकड़ी और पेंट से बना है।

बुलबुल क्या खाना पसंद करती है? तुम्हें क्या-क्या पसंद है।
कीड़े, फल, सब्जी अनाज के दाने आदि खाना पसंद है।
मुझे जलेबी, अण्डे और केला।
बुलबुल ऊँची आवाज़ में बोलती है। तुममे से कौन-कौन ऊँची आवाज़ मे बोलता है? कब कब?

नाम	कब कब
पिता जी	जब मैं देर तक सोता हूँ
दीदी	जब मैं गृह कार्य नहीं करता
मम्मी	जब मैं सामान बिखराता हूँ
भैया	जब मै उनकी किताब लेता हूँ

हमें पहचानो
1) मैं काली हूँ। मीठा गाना गाती हूँ।
कोयल
2) मैं हरा हूँ। लाल मेरी चोंच है।
तोता
3) सूप जैसे कान है। मोटे मोटे पाँव है।
हाथी

4) सिर पर ताज है। दुम पर पैसा है।
मोर
5) घरो मे आता है। सारी चीज़े कुतरता हूँ
चूहा

कविता लिखो
कबूतर

मैं हूँ कबूतर
उड़ता पंख फैलाकर फर फर
शुभ संदेशा मैं लाता
घर घर खुशियाँ ले जाता

मेरे पंख रंग बिरंगे
काले, भूरे, सफेद चितरंगे
सुन्दर घोसला मैं बनाऊँ
उड़ जाऊँ जब आये म्याऊँ

एक नाम

गोभी, आलू, भिंडी	सब्जी
संतरा, केला, सेब	फल
गाय, हाथी, कुत्ता	पशु
मूंग, चना, अरहर	दलहन

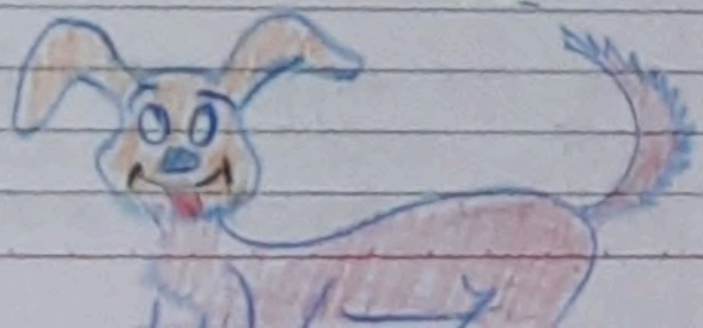

पाठ - 10
मीठी सारंगी

शब्दार्थ

सारंगी : एक तारों वाला वाद्य
इकट्ठे : मिलजुल कर
कला : हुनर
दंग : चौंकना
भोला : सीधा साधा
झूठे : असत्य
आनंद : प्रसन्नता
स्वाद : जायका
खुशामद : चापलूसी
बेवकूफी : मूर्खता

सारंगी की मिठास

इसका क्या मतलब है? सही बात पर '✓' निशान लगाओ।
1) सारंगी चखने पर मीठी थी ✗
2) सारंगी से निकलने वाली आवाज़ सुनने में अच्छी लगती थी ✓
3) सारंगी के आस पास मधुमक्खियाँ भिनभिना रही थी। ✗

अब तुम समझ गए होगे कि गाँव वाले सारंगी को मीठी क्यों कहते थे। अब बताओ कड़वी बात का क्या मतलब होगा?
कड़वी बात का मतलब है : अप्रिय बात जो सुनने में अच्छी न लगे।

कहानी से

भोला ने क्यों सोचा कि सभी झूठ बोल रहे हैं?
भोला ने सारंगी को चाट कर देखा तथा उसके छेद को मुँह से उड़ेल कर भी देखा। उसे मिठास नहीं मिली। इसलिये उसे लगा कि सभी झूठ बोल रहे हैं।

भोला को सारंगी का स्वाद क्यों नहीं आया? भोला को सारंगी का स्वाद इसलिये नहीं आया क्योंकि उसे संगीत की समझ नहीं थी। उसे लगता था कि मीठी सारंगी का अर्थ मुँह के मिठास से है।

भोला ने किस किस तरह से यह जानने की कोशिश की कि सारंगी मीठी है।
1 सबसे पहले भोला ने सारंगी के खोल को उतारकर उसे चाटा।
2 उसके छेद को होंठ के पास ले

जाकर उड़ेला।

खोल
सारंगी वाले ने अपनी सारंगी पर खोल क्यों चढ़ाया होगा?
सारंगी की सुरक्षा के लिये। ताकि उस पर धूल-मिट्टी न पड़ सके।

और किन-किन चीज़ों पर खोल चढ़ाया जाता है।
तकिया, रजाई, गिटार, चश्मा आदि

गाओ-बजाओ
ऊपर संगीत के बाजों के नाम लिखे हैं। इनमें से कुछ तार छेड़कर बजाए जाते हैं और कुछ हाथ से थाप दे कर। इनके नाम सही जगह पर लिखो।

तार वाले	थाप वाले	अन्य
सारंगी	ढोलक	बाँसुरी
इकतारा	डफली	शहनाई
सितार	तबला	हारमोनियम
गिटार	ढोल	

ऊपर लिखे बाजों को जगह जगह पर बजाया जाता है। सोच कर लिखो इन जगहों पर क्या-क्या बजाया जाता है।

रेलगाड़ी या बस में - इकतारा, डफली, बाँसुरी।
घर या किसी अवसर पर - शहनाई, ढोलक।
भजन-कीर्तन में - हारमोनियम, तबला
स्कूल में किसी अवसर पर - "सितार, गिटार".

इस कहानी में मिठास की बात है। तुम्हें कौन-कौन सी मीठी चीजें अच्छी लगती हैं?
सब प्रकार की मिठाइयाँ और मीठे फल।

क्या खाने की चीजें सिर्फ मीठी ही होती हैं? मीठे के अलावा इनका और क्या-क्या स्वाद होता है।
नहीं, खाने की चीजें भिन्न-भिन्न स्वाद की हो सकती हैं जैसे नमकीन, कड़वी, खट्टी, कसैली।

अब नीचे लिखी खाने-पीने की चीजों को स्वाद के हिसाब से लगाओ:

आम	मिर्च का अचार	करेला
शहद	जलज़ीरा	अदरक
चीनी	नींबू	आँवला

Camlin Page 51

दूध नमक -

तुम इस तालिका के कुछ नाम अपने मन से भी जोड़ सकते हो

जामुन बड़िया तेजपत्ता
अमरूद पापड़ लौंग
रसमलाई पीपली नीम का फल
काजू कतली चाट पापड़ी

नीचे दिये शब्दो में ँ या ं लगाओ

चाँद झाँसी
मंगलवार कंकड़
सुंदर अंधा
चंदन झंडा
माँगना काँपना
साँप आँधी

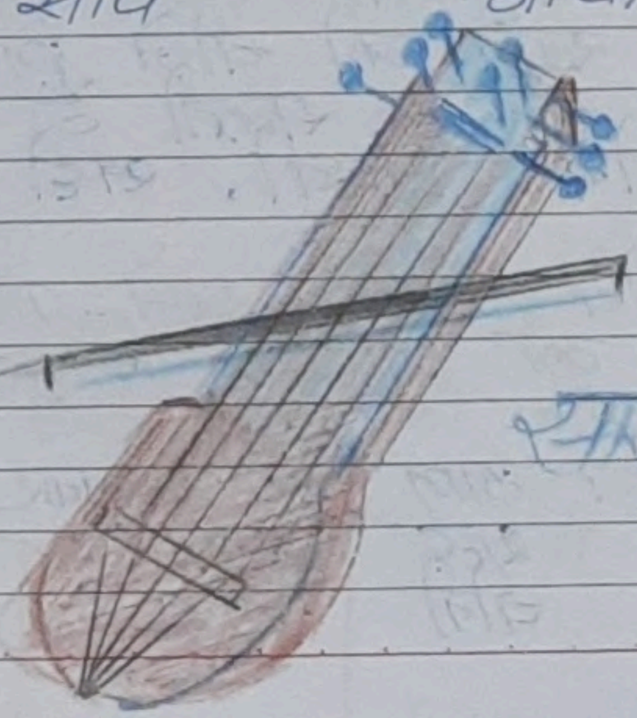

Page 53

पाठ -11

Camlin Page 52

टेसू राजा बीच बाजार

शब्दार्थ

बाज़ार : व्यापारिक स्थान
कंबल : मोटा ऊनी कपडा
खाने : एक चतुर्भुज आकार
झुंड : समूह
लत्ते : कपड़े
कलकत्ते : एक शहर
पुकार : बुलाना (जोर से)

गिनत - अनगिनत

जिन चीजो को गिन सकते हो उनके आगे हाँ लिखो
जिन्हें नहीं गिन सकता हो उनके आगे नहीं लिखो।

कंबल के खाने	नहीं
सिर के बाल	नहीं
घर के लोग	हाँ
चींटी के पैर	हाँ
कमीज़ के बटन	हाँ
पेड़ के पत्ते	नहीं
आसमान के तारे	नहीं
कॉपी के पन्ने	हाँ
अपने कपड़े	हाँ
स्कूल के बच्चे	हाँ

Page 53

कवि बन जाओ तुम

अब तुम कविता को आगे बढ़ा कर लिखने की कोशिश करो।

कलमदान में कलम कितने?
राम की कॉपी में पन्ने जितने।
राजू की कॉपी में कितने पन्ने
गिरवन में शेर है जितने
गिरवन में शेर है कितने
लाला की दुकान में टॉफी जितने

तुम्हारा अंदाजा

अंदाजे से बताओ -

1) एक अनार में कितने दाने होते होंगे?
साठ - 60

2) एक मटर मे कितने दाने होते होंगे?
सात - 7

3) एक भुट्टे में कितने दाने होते होंगे?
सौ - 100.

4) एक मूँगफली में कितने दाने होते होंगे?
दो - 2.

हाट - बाज़ार

(क) टेसू राजा बाजार अनार लेने गए

Page 55

थे।

तुम बाज़ार क्या-क्या लेने जाते हो।
कॉपी, कपड़े, फल, खिलौने आदि

बाज़ार कैसे जाते हो?
मोटर गाड़ी में माता पिता से साथ

उस बाजार का क्या नाम है।
लक्ष्मण बाजार

अपने घर के पास के कुछ और बाजारों के नाम पता करो।
सरिता बाजार और गीता बाजार

(ख) बाजार अलग-अलग तरह के होते है।
मंडी - फल सब्जी आदि के लिये
हाट - हस्त शिल्प के लिये
साप्ताहिक बाजार - अस्थाई सोमवार को लगने वाला बाजार।
मॉल - बहुमंजिला बाजार
पैठ - साल में एक बार लगने वाला बाजार अस्थाई
किनारी - स्त्रियों के कपड़े, दुपट्टे आभूषण आदि मिलते हैं।

फेर - बदल

कितने है कंबल में खाने ?
कंबल मे कितने खाने है ?

एक झुंड में भेड़े कितनी
एक झुंड मे कितनी भेड़े है।

टेसू राजा कहे पुकार लाओ मुझको दे दो चार ?
टेसू राजा पुकार कर कहते है मुझे चार दे दो।

फूलो से बनाओ होली के रंग
फूलो से होली के रंग बनाओ।

किसके नाम
कोलकाता, दिल्ली, भोपाल - शहरों के
भेड, बकरी, हाथी - पशुओं के नाम
कमीज कुरता साडी - वस्त्रो के नाम
मोर, कबूतर उल्लू - पक्षियो के नाम
आलू बैंगन भिंडी - सब्जियो के नाम

बाज़ार - बाजा
दो दो शब्द शुद्ध जोडो
जाड़ा जमीन - राज़ी
गाजर ज़िद, राज़
जानवर, जान ज़ीनत, बाज़ार

पाठ - 12
बस के नीचे बाघ

शब्दार्थ
जंगल = वन
दरवाजा = द्वार
भीतर = अंदर
अजीब = विचित्र
बाघ = जंगली जानवर
घबराया - डरा हुआ
सीढी - ऊपर चढने केलिये बाँस से बनाई ढलान

ऐसा क्यों
बस के नीचे पहुँचकर छोटे बाघ को अच्छा क्यों नही लगा ?
क्योंकि वह फिर से बस के भीतर जाना चाहता था।

क्या तुमने कभी किसी बस या जीप से नीचे झाँककर देखा है ? तुम्हे वहाँ क्या दिखाई दिया ?
जी हाँ मैने बस के नीचे झाँककर देखा है। उसके नीचे कल पुर्जे तथा पेट्रोल की टंकी दिखती है।

बस के अगले हिस्से से घर्र घर्र की आवाज़ क्यों आ रही थी ?

वह आवाज़ चालू इंजन की वजह से आ रही थी।

बस में ज्यादातर लोग दायीं तरफ़ क्यों बैठे थे?
क्योंकि बाघ की दाहिनी तरफ यात्रियों के बैठने के लिये सीटें थी। इसलिये ज्यादातर लोग दायी तरफ बैठे थे।

बस मे इतने सारे लोग बैठे थे पर बाघ का ध्यान दो छोटी लड़कियों पर ही गया क्यों।
क्योंकि वह आगे बाघ के नज़दीक बैठी थी और वह डरी हुई थी।

तो क्या होता

अगर बाघ बस की छत पर चढ़ जाता तो
उसे दुनिया कैसी दिखाई देती?
उसे काफी दूर तक की चीज़े दिखाई देती वह समझता कि वह बड़ा हो गया है।

आस पास के लोग क्या करते?
बस के अन्दर दुबक कर बैठ जाते और दरवाजा बंद करते।

करके बताओ

बाघ दुबककर बैठ गया था। करके बताओ नीचे लिखे काम वह कैसे करेगा?
दुबकना - हाथ पाँव सिकोड़कर
काँपना - तेज गति से हाथ पाँव हिलाकर
लड़खड़ाना - दाएँ बाएँ गिर कर
सोना - लेट कर आँखे बंद कर
कीचड़ में चलना - धीरे धीरे सम्भलकर
दूध पीना - मुँह बरतन के पास लाकर
नहाना - पानी मे छलांग लगाकर
दवाई खाना - चाट कर।

क्या समझे?

यह व्यक्ति कौन था?
यह व्यक्ति बस का ड्राइवर था।

बस में कितने दरवाज़े थे
तीन दरवाजे थे
1) पहला जिस पर बाघ था।
2) दूसरा जिससे ड्राइवर कूदा।
3) पीछे की तरफ - तीसरा।

आगे क्या हुआ होगा कहानी सुनाओ

बाघ अपने सामने बस को देखकर घबराया होगा उसे लगा होगा कि लोग बहुत ज्यादा है और वह उनका मुकाबला नही कर सकता। वह वापस जंगल की तरफ भाग गया होगा।

डर-निडर

(क) सोचो, इन्हें कैसा लगता होगा जब कोई इनसे डर जाता है।

1) छिपकली - छिपकली सोचती होगी कि इतना बडा मनुष्य मुझसे क्यों डर रहा है। आश्चर्य

2) चूहा - चूहा खुद पर इतराता होगा मैंने मकान मालिक को डरा दिया।

3) कुत्ता - कुत्ते को बुरा लगता होगा वह सोचता होगा कि मैं तो दोस्ती करना चाहता था और यह डर रहा है।

4) साँप - साँप को लगता होगा अगर यह मनुष्य मुझे तंग करेगा तभी मैं इसे काँटूगा अन्यथा मैं यही दुबक कर बैठूगा।

(ख) बाघ डरकर बस के नीचे दुबक गया।

तुम डर लगने पर क्या करते हो? कहाँ छुबकते हो?
अलमारी के पीछे।

बाघ से सब डरते हैं, पर इस कहानी मे लोग बाघ के बच्चे से भी डर गये? ऐसा क्यों हुआ?
क्योंकि बाघ हो या बाघ का बच्चा उसे दाँत पैने होते हैं और नाखून तेज़। वह भी नुकसान पहुचा सकता है। इस लिये ऐसा हुआ।

अनोखी दीवार

वह दीवार क्या थी?
वह दीवार शीशा था जो बस के सामने था।

किन-किन चीजो के आर-पार देखा जा सकता है।
शीशा, पानी, प्लास्टिक का लिफाफा मच्छरदानी, जाली आदि।

किन-किन चीजों के आरपार नही देखा जा सकता?
ईंट की दीवार, लकडी का बोर्ड,

Camlin Page 51

प्लास्टिक का सपाट टुकड़ा, लोहे की शीट आदि।

शब्दों की अंत्याक्षरी

अंत्याक्षरी की शुरुआत हम कर देते हैं। उसे आगे बढ़ाओ।
बाघ, घर, रुमाल, लेकिन, नल
लड़का, कबूतर, रूपया, यान

कहानी से आगे

तुम्हारे घर या स्कूल के आसपास कौन-कौन से जानवर या पक्षी नज़र आते हैं? पता करो।
जानवर - कुत्ता, बिल्ली, नेवला, गाय, बैल, गधा, आदि
पक्षी - मोर, कोयल, गौरैया, मैना, कौआ, चील, तोता आदि

कितने पहिये

कुछ गाड़ियों के दो पहिये होते हैं, कुछ मे तीन और कुछ मे चार। कक्षा मे बातचीत करो और नीचे सही स्थानों पे गाड़ियों के नाम लिखो।

दो पहिया	तीन पहिया	चार पहिया
साइकिल	ऑटो-रिक्शा	कार
स्कूटी	साइकिल रिक्शा	जीप
मोटर-साइकिल	ट्राइसाइकिल	बस

Page 52

खबर की बात

(क) यह घटना किस जगह घटी?
बोरीवली पार्क मे। मुंबई।

घटना किस दिन घटी?
मंगलवार।

उस दिन क्या तारीख थी?
12 मार्च।

(ख) तुमने तेंदुए के बच्चे की यह खबर पढ़ी। तुम्हारे घर आस-पडोस या स्कूल मे आनेवाले कुछ अखबारों के नाम पता करो और लिखो।
नवभारत, हरिभूमि, ट्रिब्यून आदि

बस तक कैसे पहुँचा?

तुम्हारे विचार से यह तेंदुए का बच्चा बस के पास कहाँ से पहुँचा होगा?
बच्चों की आवाज़ों से आकर्षित होकर वह बाघ का बच्चा खेलते हुए आ गया होगा।

कुछ लोग लाठी और कुल्हाड़ी लेकर क्यों पहुँच गए थे? तुम होते तो क्या करते।
उसे पिंजरे मे बंद करने की कोशिश करता।

अखबारों के लिये
यह घटना कुछ भी हो सकती है-
किसने किससे की लड़ाई।
खोज-खोज कर मै तो हारी, चीज़ हो गई गुम।
घर मे शादी, वाह भाई वाह।
कौन हारा कौन जीता

12 मार्च, दिल्ली,
रामू ने शामू से लड़ाई चॉकलेट के लिये की। रामू कह रहा था कि उसे छोटा टुकड़ा मिला है।
तभी वहाँ मीनू आई और कहने लगी कि किसी ने उसकी चॉकलेट देखी है। सुबह पार्क मे खेलते हुए गिर गई थी और वह खोज खोजकर के हार चुकी है।
रामू, शामू ने चॉकलेट बाँट ने डाली और चख ली।

वाह भाई वाह क्या स्वाद था- रामू ने कहा। शामू ने बात सम्भाली और कहने लगा कि घर मे शादी चल रही है वहाँ स्वादिष्ट मिठाइयाँ है उन्हीं की बात कर रहे थे।
उन्होने मीनू को भी घर बुलाकर मिठाइयाँ खिलाई। आखिर मे न कोई हारा न कोई जीता।

(ख) यहाँ नीचे बाघ का चित्र दिया गया है। तुम भी अपनी पसंद का कोई जानवर बनाकर उसमें इसी तरह के डिजाइन बनाओ और रंग भरो।
मध्यप्रदेश की गोंडी शैली मे बनाया चित्र

Camlin Page 55

पाठ -13

सूरज जल्दी आना जी

रंगों की बात

कविता मे धूप का रंग गोरा बताया गया है। तुम्हें धूप का रंग कैसा लगता है?

उजला

धूप कभी नहीं सुहाती

कौन-से मौसम में धूप बिल्कुल नहीं सुहाती। गर्मियो के मौसम में तब तुम धूप से बचने के लिये क्या-क्या करते हो?

1) छाता लेकर जाते है।
2) बार बार पानी पीते है
3) तुरन्त सूखने वाले कपड़े पहनते है। जैसे सूती ताकि पसीने सूख सके।
4) मुँह को रुमाल से ढकते है।
5) आइस क्रीम खाते है।

शब्दों का मेल

बारिश - पानी, गीला, बादल, पहना
घर - दरवाजा, खिड़की, साबुन, दीवार
सूरज - धरती, धूप, पसीना, गर्मी
रसोई - कढ़ाही, तश्तरी, चूल्हा, गिलास

Camlin Page 56

अगर ऐसा हो

अगर धूप न हो तो क्या होगा?
तो जीवन समाप्त हो जायेगा क्योंकि धूप से रोशनी और गर्मी मिलती है जिससे पौधे अपना भोजन बनाते हैं।

अगर हवा न हो तो क्या होगा?
हम साँस नही ले पायेगे और मर जायेगे।

अगर पानी न हो तो क्या होगा?
अगर पानी न हो तो पेड़-पौधे पशु-पक्षी और मनुष्य सब मर जायेगे।

अगर पेड़-पौधे न हो तो क्या होगा?
भोजन का अकाल पड़ जायेगा तथा वायुमण्डल मे ऑक्सीजन भी घट जायेगा।

कौन सा बहाना

सूरज का अभी आने का मन नहीं है वह बच्चों को क्या बहाने बनाकर मना करेगा?

1) आज मेरा ताप कुछ कम है

इसलिये सुस्ती आ रही है।

२ आज चन्दा मामा के घर प्रीति भोज है मैं नहीं आ सकता

३ मेरे घर के बादल रिश्तेदार आने वाले है उनके स्वागत के लिये मुझे घर पर ही रहना है।

४) आज मैं तारो के संग खेल रहा हु मैं नहीं आ सकता।

कुहासा

कुहासे का मतलब है कोहरा या धुंध। कोहरा किस मौसम में छा जाता है।

कोहरा सर्दी के मौसम मे छाजाता है।

सुखना भाई सुखना

मान लो कल स्कूल से घर आते हुए तुम तेज़ बारिश मे भीग गई तुम इन्हें कहाँ सुखाओगी?

घर के बरामदे में या कमरे में। पंखे के नीचे।

तुम्हारी ये चीज़े कितने समय में सूखेगी?

कमीज: चार घण्टो में।

बस्ता: दस घण्टो में।

जूते: रात भर में।

फ़र्क पहचानो

काफ़ी	फिर
सफ़ेद	फैलना
तारीफ़	फटना
फ़र्क	फल

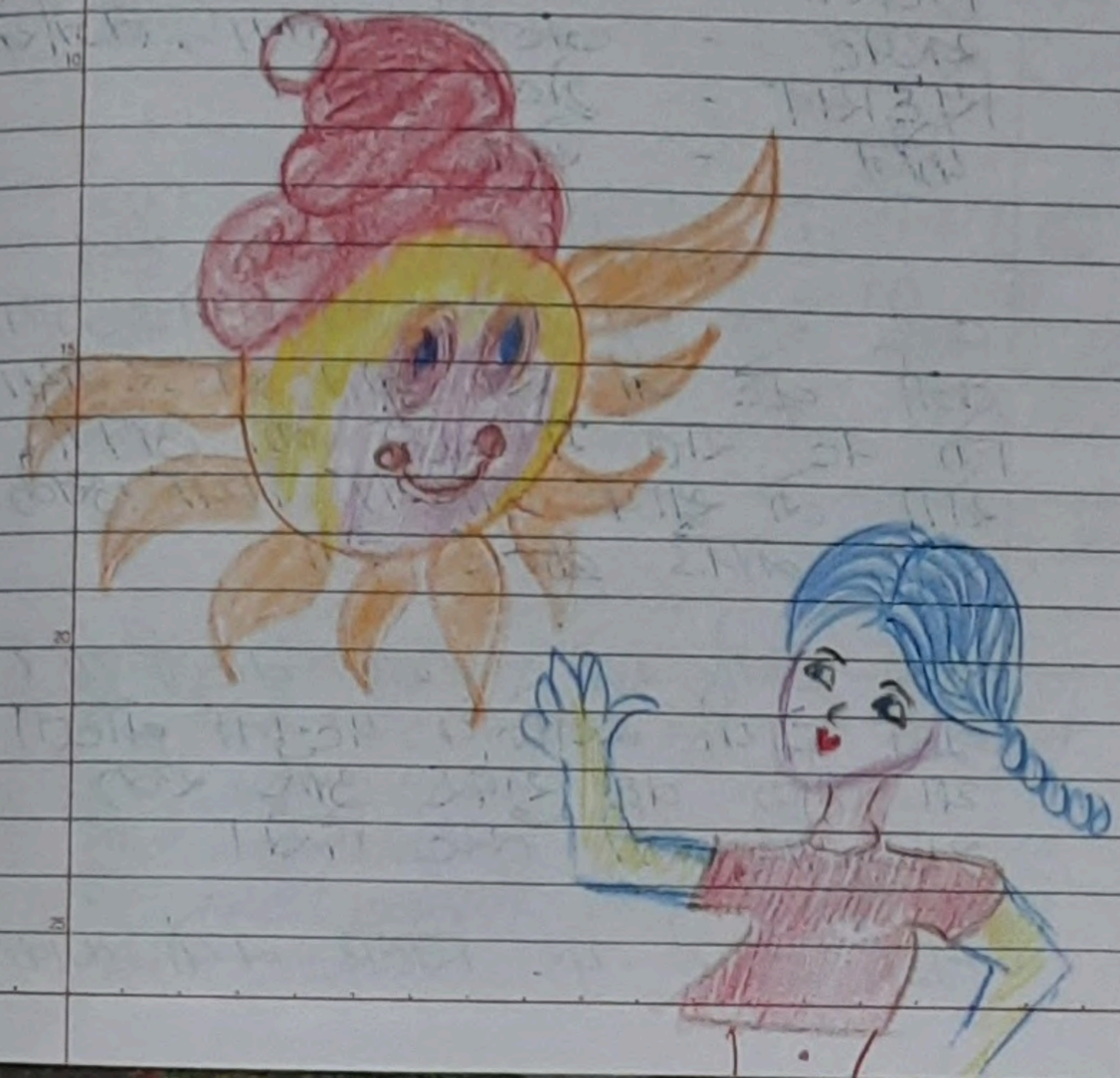

पाठ १४

नटखट चूहा

शब्दार्थ

नटखट - चंचल
झटपट - जल्दी
दर्जी - कपड़े सिलने वाला
आइना - दर्पण
सुनहरा - सोने के रंग वाला
निहारना - देखना
सरपट - जल्दी चलना, तेजी से
सिंहासन - श्रेष्ठ आसन
फौज - सेना

कहानी से

दर्जी चूहे की किस बात से डर गया?
दर्जी चूहे की इस बात से डर गया कि वह रात मे चूहों की अपनी सेना के साथ आएगा तथा उसके सारे कपड़े कुत्तर देगा

चूहा टोपी क्यों पहनना चाहता था?
चूहा टोपी इसलिये पहनना चाहता था ताकि वह सुंदर और एक राजकुमार की तरह दिखे।

चूहा टोपी पर सितारे क्यों लगवाना

चाहता था?
चूहा टोपी पर सितारे इसलिये लगवाना चाहता था ताकि उसकी टोपी सुन्दर दिखे।

दर्जी ने चूहे की टोपी सिलने से क्यों मना कर दिया?
दर्जी ने चूहे की टोपी सिलने से इसलिये मना कर दिया था क्योंकि इससे उसका समय खराब होता

पहले क्या हुआ

चूहा राजा के दरबार मे गया। (5)
दर्जी ने चूहे की टोपी सिल दी। (3)
चूहा दुकानदार के पास सितारे लेने गया। (4)
चूहे को रेशमी कपड़े की कतरन मिली। (2)
चूहा सिंहासन पर बैठ गया। (6)
चूहा तैयार होकर शहर की तरफ निकला (1)

तुम्हारी समझ से

बारिश के मौसम मे ऐसा क्या होता है जिससे चूहा अपने बिल में से निकल नहीं पाया होगा?
बिल मे कीचड़ हो जाने की वजह से चूहा अपनी बिल से नहीं निकल पाया होगा।

क्या तुम्हें भी चूहा नटखट लगा? क्यों?

जी हाँ मुझे भी चूहा काफी नटखट लगा। क्योंकि उसने अपनी नटखट सोच से सारे काम करवा लिये।

कपड़े वाले ने, दर्जी ने, सितारे वाले ने चूहे की बात पर ध्यान नहीं दिया। तुम्हें इसका क्या कारण लगता है?

इसका यह कारण हो सकता है कि सब यह सोच रहे होंगे कि चूहा भी कभी टोपी पहनता है वह जरूर मज़ाक कर रहा होगा। इसलिये उन्होंने चूहे की बात पर ध्यान नहीं दिया।

अंगूठे की छाप से चूहा

किसके पास जाओगे

चूहा अपने कामों के लिए बहुत से लोगों के पास गया। इन कामों के लिये तुम किसके पास जाओगे?

काम	नाम
कपड़ा खरीदने	दुकानदार के पास
लकडी की कुर्सी बनवाने	बढ़ई के पास
किताब पर जिल्द चढ़वाने	जिल्दबाज के पास
बाल कटवाने	नाई के पास
मोहल्ले की रखवाली	चौकीदार के पास
मिट्टी के दिए खरीदने	कुम्हार के पास
माँ की घड़ी ठीक करवाने	घड़ीसाज़ के पास

एक-अनेक

खाली स्थान भरो।

1) इस कमरे मे दो खिड़कियाँ हैं।
2) बुआ समीना के लिए ढेरों कॉपियाँ लाईं।
3) लड़कियाँ मैदान में फुटबाल खेल रही हैं।
4) गोविंद तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ रहा था।
5) गंदी जगह पर मक्खियाँ भिनभिनाती रहती है।

तुम्हारी बात

तुम बजाज होते तो चूहे को कपडे देते या नहीं देते? क्यों?

मै चूहे को कपडे नहीं देता।

क्योंकि चूहे को कपडे देता निरर्थक प्रतीत होता है।

चूहा राजा बनकर देखना चाहता था। तुम्हारे विचार से राजा दिन भर क्या करते होंगे?
राजा दिन भर दरबार के काम नीतियाँ बनाना और युद्ध की तैयारी करते होंगे।

तुम चूहा बनना पसंद करोगे या राजा बनना।
मैं राजा बनना पसंद करूँगा क्योंकि राजा का मान सम्मान होता है और वह आराम से जीवन व्यतीत करता है।

कैसे हो काम

दर्ज़ी अपने काम में कैंची, फीते, मशीन, धागे आदि का इस्तेमाल करता है। ये लोग किन चीज़ों की मदद से अपना काम करते हैं -

बढ़ई आरी, हथौड़ा, रंधा
रसोइया कड़छी, चिमटा, गैस
डॉक्टर इंजेक्शन, कैंची, थर्मामीटर
कुम्हार मिट्टी, चाक, लकड़ी

चित्रकार पेन्सिल, ब्रुश, कागज़
किसान गेन्थी, खुरपी, फावड़ा

दर्जी का र

दर्जी शब्द में र की आवाज़ है जिसे ऊपर 'र्' निशान लगाकर लिखा जाता है। ऐसे ही कुछ और शब्द लिखो।
मर्ज़ी, गर्मी, सर्दी, वर्दी
दर्द, मर्द, ज़र्दी, कर्म

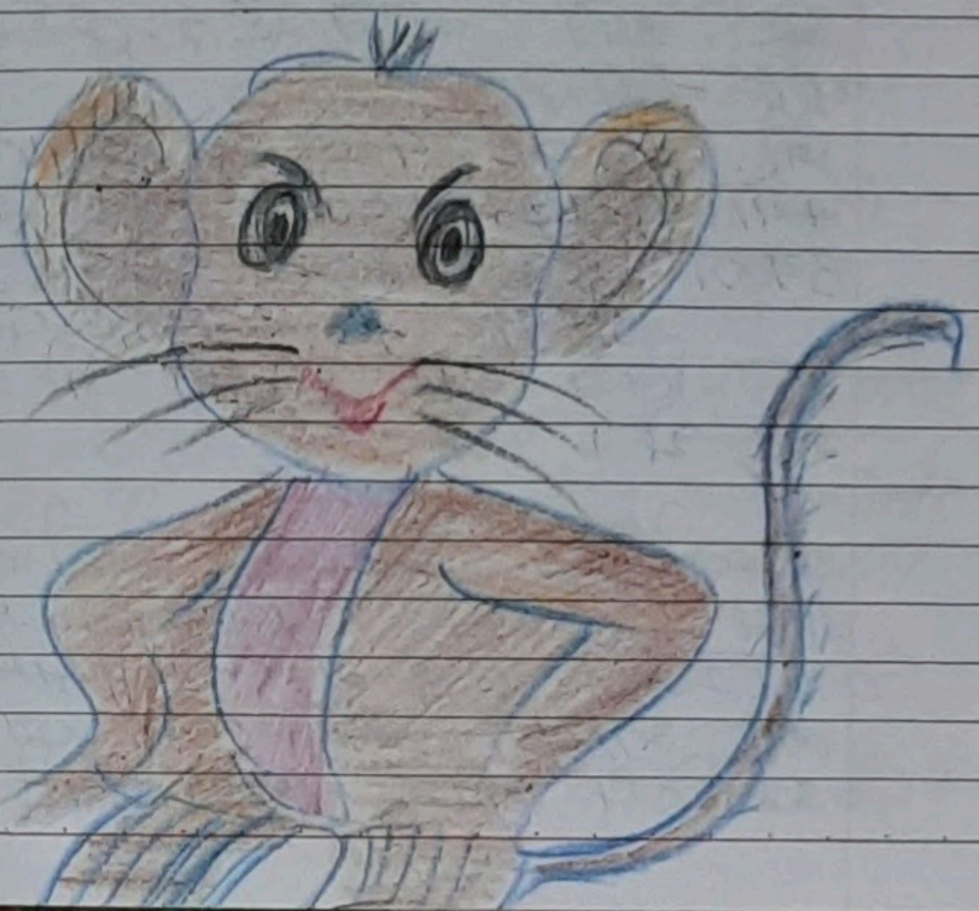

पाठ - १५
रुनकी दोनकी

शब्दार्थ

रौब - दबदबा, धाक।
सरपट - तेज
घमंडी - गर्व, अभिमान
मरियल - कमजोर
पुचकार - प्यार करना

कहानी से

क्या बूढ़ी अम्मा पहले से जानती थी कि रुनकी और दोनकी उनके घर आने वाले है? उन्हें कैसे पता चला?
जी हाँ, वह पहले से जानती थी क्योंकि उसने कहा था कि वह उनकी राह देख रही थी। अम्मा ने रुनकी दोनकी के लिये पूरे इंतजाम भी कर रखे थे।

दोनकी का मेंहदी की झाड़ी और गाय पर ध्यान क्यों नहीं गया?
दोनकी तेज गति से अम्मा की झोपड़ी की तरफ जा रही थी इसलिये उसका ध्यान नहीं गया।

रुनकी ने झाड़ी और गाय की मदद कैसे की?
रुनकी ने अपने चुल्लू में पानी भरकर कई बार झाड़ी पर डाला और उसकी प्यास बुझाई। फिर उसने घास-फूस इकट्ठा किया और भूखी गाय को खिलाई। उसने गाय के गले में बँधी रस्सी को भी खोल दिया।

मेहँदी

मेहँदी की झाड़ी ने रुनकी को लगाने को मेहँदी दी। मेहँदी की झाड़ी से लगाने के लिये मेहँदी कैसे तैयार की जाती है? पता करो और सही क्रम में लिखो।
पहले मेहँदी की झाड़ी से पत्ते तोड़ कर उसका लेप बनाओ। सिलबट्टे या ओखली का प्रयोग करो। हाथों और पाँव में किसी तीली या कोन की मदद से लगाओ सूखने के बाद धो लो एक घाव तैयार हो जायेगा।
इसे ही मेहँदी रचाना कहते है। मेहँदी के पत्ते को सुखा कर पाउडर बनाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

मेहँदी जब रचाई जाती है तब उसका रंग गाढ़ा होता है और धीरे धीरे फीका पड़ता जाता है। किन-किन चीजों का रंग कुछ समय बाद फीका हो जाता है?
दीवार पर किया रंग
खिड़कियों पर किया रंग।
कापियों पर किया कवर।
पेन्सिल से लिखे अक्षर भी समय के साथ फीके पढ़ जाते हैं।
दुपट्टे आदि के रंग।

नीचे दी गई जगह मे महंदी का डिजाइन बनाओ

अपने मन से

वालों की संख्या	पूरा नाम	छोटा नाम
1	एक केस वाली	एनकी
2	दो केस वाली	दोनकी
100	शत केस वाली	शतनकी
0	शून्य केस वाली	शून्यकी

तुम्हारे वाक्य

सन्नाटा : सन्नाटे को चीरती गीता की चीख सुनाई दी
फुर्सत : फुर्सत के समय गीता मेहंदी रचाने लगी।
सरपट : घोड़ा सरपट भाग रहा है।
मुरझा : गुलाब मुरझा गया है।

नाम-काम

नाम वाले शब्द	काम वाले शब्द
एनकी	बुलाते
दोनकी	रहते
अम्मा	चलते-चलते
बाबा	घूमकर
गाय	सरसरा
झाड़ी	डाला
बाल	खिला दी
जंगल	खोल दिया
झोंपड़ी	जाए